जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद पुलिस ने ली राहत की सांस

दिल्ली पुलिस आयुक्त की मेहनत रंग लाई



मनोज टंडन, लोकसत्य

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा अपने सहयोगी अधिकारियों और दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ एक साल से जी-20 शिखर सम्मेलन के सुरक्षा और अन्य तैयारियों में जुटे हुए थे।

रविवार शाम तक ज्यादातर विदेशी मेहमान लौट गए थे। बाकी मेहमान सोमवार रात तक चले गए। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और दिल्ली पुलिस के तमाम अधिकारी और जवान सराहना के पात्र हैं। पुलिसकर्मी सुबह चार बजे ड्यूटी पर जाते थे और शाम तक तैनात रहते थे। इसके बाद भागी में ड्यूटी करते थे। तबीयत खराब होने के बावजूद कई सीनियर पुलिस अधिकारी व विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी ड्यूटी करते रहे।

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान कहीं पर भी विदेशी मेहमानों का काफिला एक दूसरे से नहीं टकराया और विदेशी मेहमानों की कहीं भी











अलग-अलग संस्कृति और देशों के पत्रकारों को मिला वैश्विक परिवार जैसा सुरक्षित माहौल: सुमन नलवा

नई दिल्ली, लोकसत्य। दिल्ली पुलिस के पीआरओ महकमे ने जी-20 शिखर सम्मेलन को कवरेज के लिए आए देश और विदेश के पत्रकारों को कवरेज का बेहतर माहौल मुहैया कराने में और सहयोग देने में बहुत सराहनीय कार्य करते हुए बेहतरीन मीडिया मैनेजमेंट का परिचय दिया। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (परफॉरमेंस मैनेजमेंट एंड मीडिया सेल डिवीजन) आर पी उपाध्याय की देखरेख और दिल्ली पुलिस की पीआरओ डीसीपी सुमन नलवा के कुशल निर्देशन में दिल्ली पुलिस के पीआरओ विभाग ने इस आयोजन के लिए और सटीक सूचनाओं और समाचारों को देश और विदेश से आये पत्रकारों को सुलभ माहौल मुहैया कराने के लिए दिन रात एक कर दिया था।

आने-जाने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। सुरक्षा में भी कहीं कोई चूक नहीं हुई।

पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के आदेश पर विशेष पुलिस आयुक्त परिस यादव ने मुख्य रूट के अलावा शॉर्टकट रूट भी रिजर्व में बनाकर रखे हुए थे। देरी करने वाले विदेशी मेहमानों के काफिले को शार्टकट रूट से निकालकर समय से पहुंचाया गया। रविवार सुबह इन रूटों के कारण ट्रैफिक पुलिस को काफी सहूलियत हुई। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों की बैठक में सुझावों का परिचय देते हुए आदेश दिया था कि अगर विदेशी राष्ट्राध्यक्ष होटल से समय से नहीं निकल पाते हैं तो फिर रूट पर चलने वाले कारकेड का आवागमन गड़बड़ा जाएगा। इसे देखते हुए होटल से देर से निकलने वाले विदेशी मेहमानों के लिए शॉर्टकट रूट बनाएं। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने विदेशी मेहमानों के लिए होटल से प्रगति मैदान व राजघाट तक के लिए 31 रूट बनाए थे। इसके अलावा आठ शॉर्टकट रूट बनाए थे। राजघाट के लिए सैफसागल होकर रूट बनाया था। बताया जा रहा है कि शनिवार को प्रगति मैदान जाने के लिए कई विदेशी मेहमान होटलों से देरी से निकले। ऐसे में शॉर्टकट रूट से उन्हें प्रगति मैदान पहुंचाया गया। रविवार सुबह भी राजघाट जाने के लिए कई मेहमान देरी से निकले। इनके लिए भी यही व्यवस्था की गई। विशेष पुलिस आयुक्त एसएस यादव की निगरानी में दो महीने पहले विदेशी मेहमानों के लिए बनाए गए रूट की रिहर्सल शुरू कर दी गई थी। रिहर्सल के दौरान आने वाली परेशानियों को समय से दूर किया गया। बार-बार रिहर्सल करने से ट्रैफिक पुलिस का सटीक टाइम तक पहुंचना बहुत बड़ी बात रही।



पाठक-हुड्डा के नेतृत्व में चप्पे-चप्पे पर थी पुलिस की नजर

नई दिल्ली, लोकसत्य। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (लॉ एंड आर्डर) दीपेंद्र पाठक और विशेष आयुक्त पुलिस सागर प्रीत हुड्डा (लॉ एंड आर्डर) के नेतृत्व में दिल्ली में प्रभावी स्निफर चौकिंग, समूह गश्त/फ्लैग मार्च और संवेदनशील क्षेत्रों में CAPF की अतिरिक्त तैनाती द्वारा सभी सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए थे। इसके अलावा, आयोजन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को विफल करने के लिए जमीनी और हवाई निगरानी द्वारा समर्थित एक बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दिल्ली में सुरक्षा के इतने पुख्ता इंतजाम थे कि 'जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में कोई भी बड़ी वारदात नहीं हुई। पुलिस की चप्पे-चप्पे पर नजर थी।

Delhi 12-09-2023

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य